कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

विषय:

- परिचय
- मुगल कौन थे?
- मुगल सैन्य अभियान
- उत्तराधिकार की मुगल परंपराएं
- मुगलों के अन्य शासकों के साथ संबंध

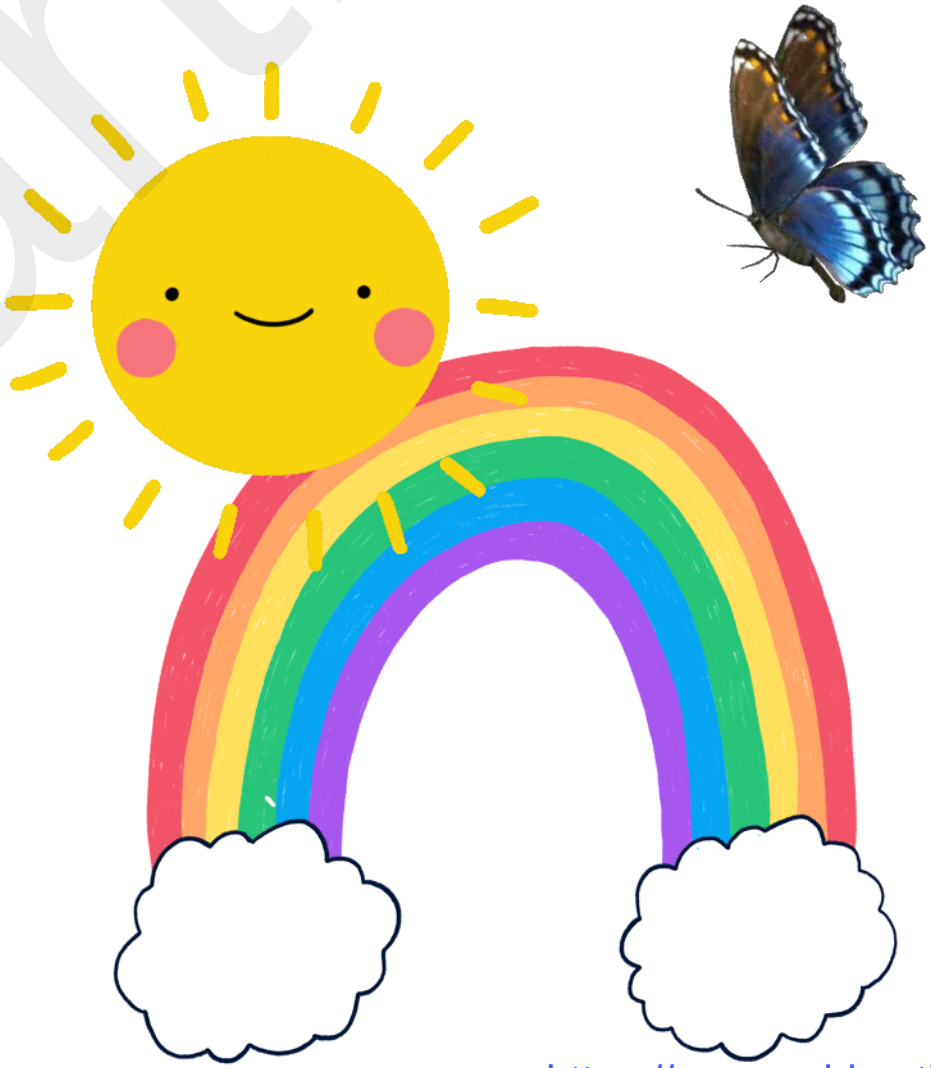

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- मनसबदार और जागीरदार
- ज़ब्त और जमींदार
- अकबर की नीतियां - नजदीक से एक नज़र
- सत्रहवीं शताब्दी मे और उसके पाश्चात मुगल साम्राज्य

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

परिचय

- विभिन्न संस्कृतियों वाला भारतीय उपमहाद्वीप, और विविधता किसी भी शासक द्वारा बनाए रखने के लिए अलग थी। इसके बजाय मुगलों ने एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया।
- 16वीं शताब्दी में उन्होंने 17वीं शताब्दी में आगरा से दिल्ली तक अपने राज्यों का विस्तार किया। लगभग पूरे उपमहाद्वीप को नियंत्रित किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

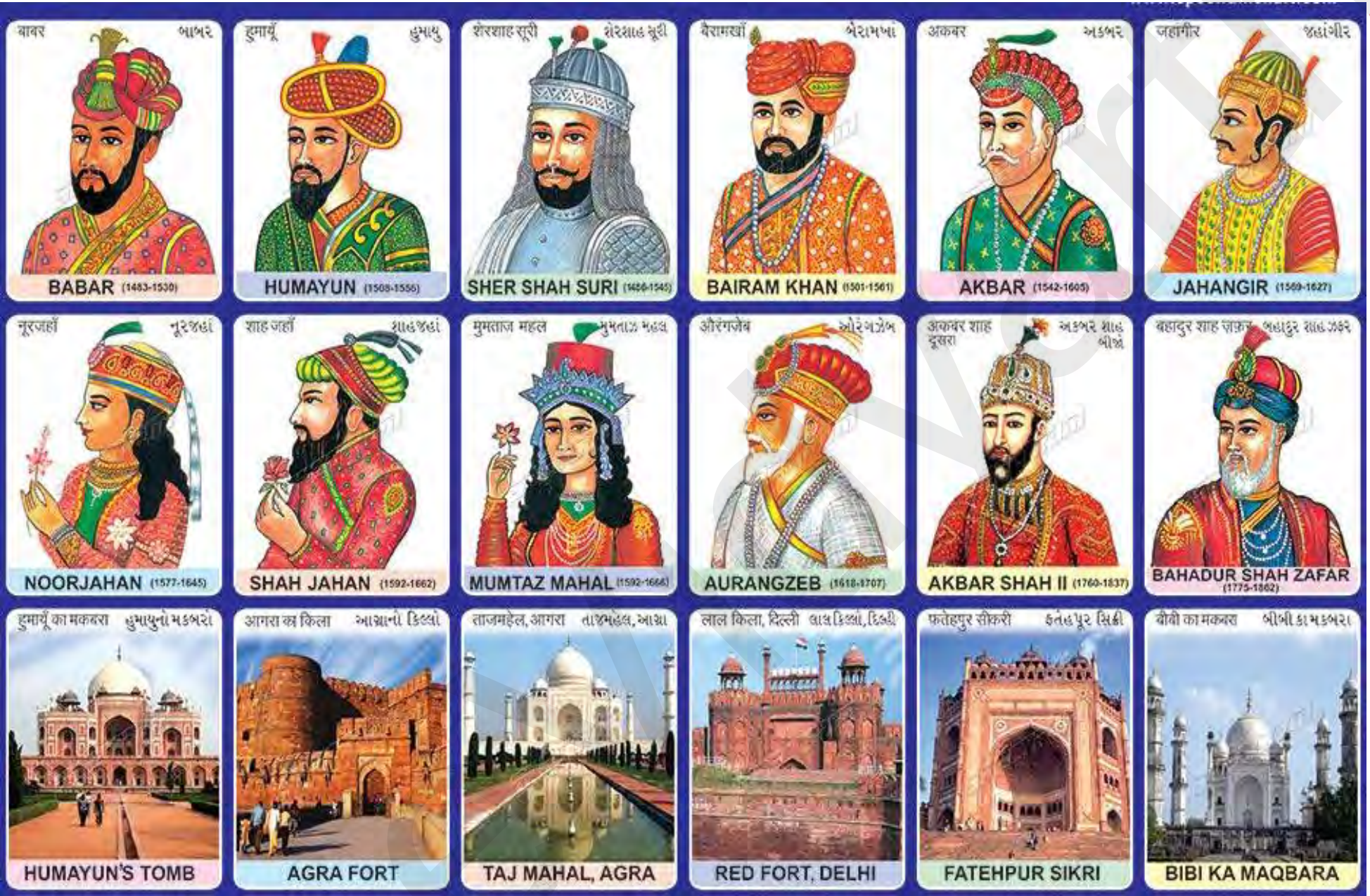

मुगल वंश के सभी शासक

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

आज लाल किला (मुगल साम्राज्य के निवास के रूप में जाना जाता है) वह स्थान है जहाँ प्रधान मंत्री राष्ट्र को संबोधित करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मुगल कौन थे?

- मुगल दो महान वंशों के वंशज थे।
  - मातृ पक्ष - वे चंगेज खान (चीन और मध्य एशिया पर शासन करने वाले मंगोल के वंशज थे।
  - पितृ पक्ष - वे तैमूर (ईरान, इराक और तुर्की के शासक) के उत्तराधिकारी थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

चंगेज खान

तैमूर

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- वे मंगोल कहलाना नहीं चाहते क्योंकि उज़बेग (मंगोल समूह) उनके प्रतियोगी थे।

- लेकिन मुगलों को अपने तैमूर वंश (जिन्होंने 1338 में दिल्ली पर कब्जा किया था) पर गर्व था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

मुगल सैन्य अभियान

- बाबर प्रथम शासक (1526 से 1530) 1494 में फरगना की गद्दी पर बैठा जब वह केवल 12 वर्ष का था।

- फिर उज़बेग्स (मंगोल समूह) ने अपने पुश्तैनी सिंहासन पर आक्रमण किया कि उसे छोड़ने के लिए मजबूर किया गया।

बाबर

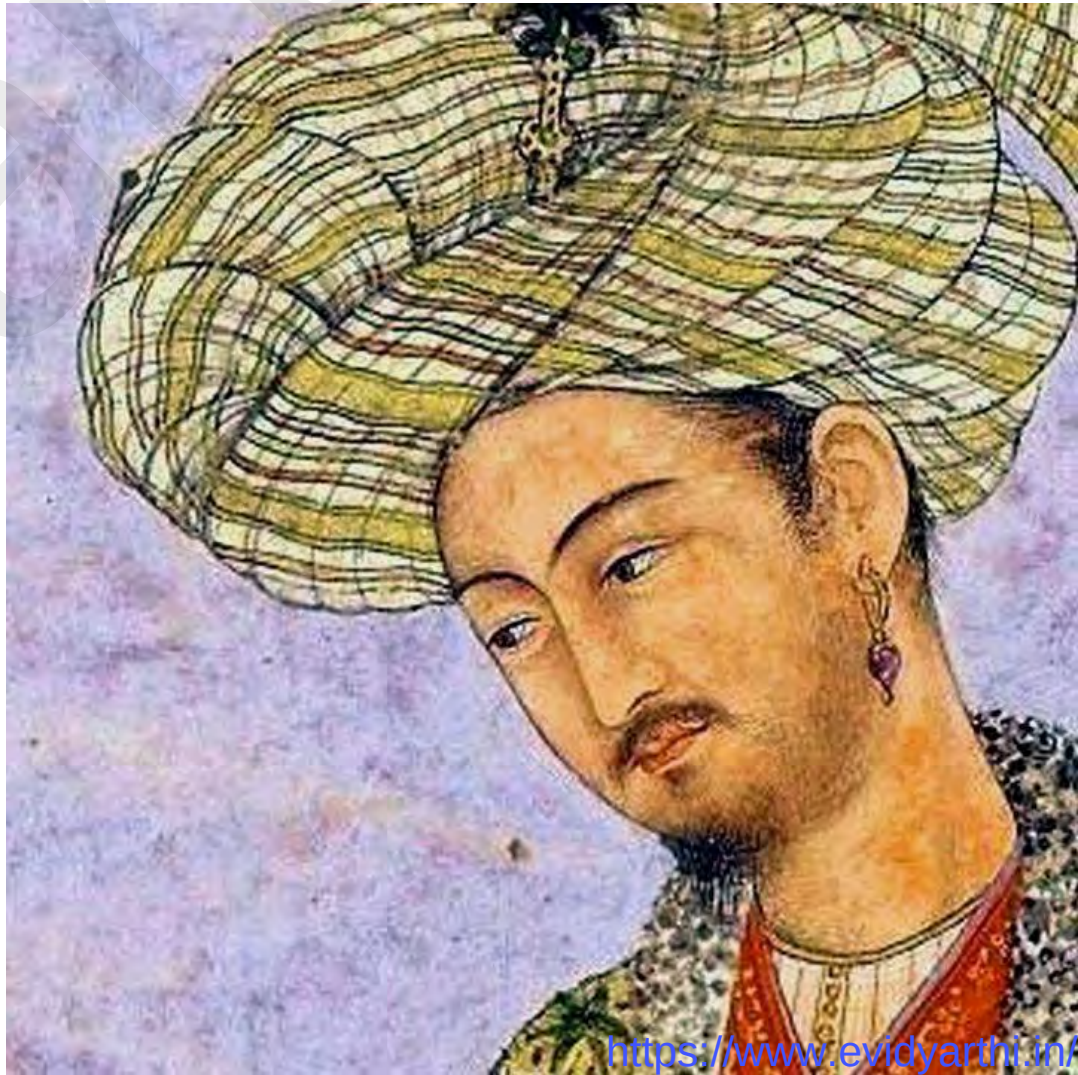

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- कई वर्षों के बाद उसने 1504 (1526) में काबुल पर कब्जा कर लिया, उसने दिल्ली के सुल्तान इब्राहिम लोदी को हराया और पानीपत में दिल्ली और आगरा पर कब्जा कर लिया।

- अफगान मुगलों के अधिकार के लिए तत्काल खतरा थे (मुगल के अहोम, सिख, मेवाड़ आदि के साथ भी संबंध थे।

इब्राहिम लोदी

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

उत्तराधिकार की मुगल परंपराएं

- मुगल हमेशा तैमूर रीति-रिवाजों में विश्वास करते हैं (वंशानुक्रम के बजाय बेटे के बीच विरासत का विभाजन - जहां सबसे बड़े बेटे को अपने पिता का सिंहासन विरासत में मिलता है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

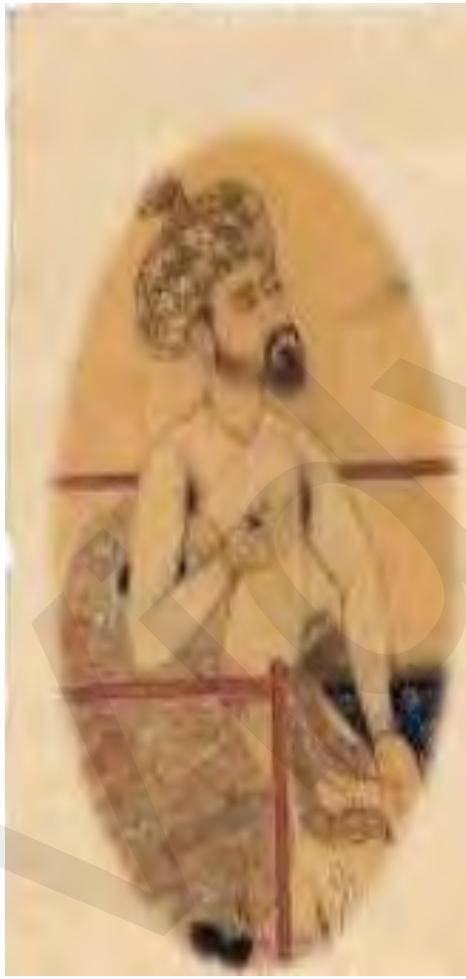

तालिका 1

मुग़ल सम्राट

प्रमुख अभियान और घटनाएँ

बाबर 1526-1530 ने

1526 में पानीपत के मैदान में इब्राहिम लोदी एवं उसके अफ़गान समर्थकों को हराया।

1527 में खानुवा में राणा सांगा, राजपूत राजाओं और उनके समर्थकों को हराया।

1528 में चंदेरी में राजपूतों को हराया।

अपनी मृत्यु से पहले दिल्ली और आगरा में मुग़ल नियंत्रण स्थापित किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

हुमायूँ 1530-1540 एवं 1555-1556

(1) हुमायूँ ने अपने पिता की वसीयत के अनुसार जायदाद का बँटवारा किया। प्रत्येक भाई को एक एक प्रांत मिला। उसके भाई मिर्ज़ा कामरान की महत्त्वाकाँक्षाओं के कारण हुमायूँ अपने अफ़ग़ान प्रतिद्वंद्वियों के सामने फीका पड़ गया। शेर खान ने हुमायूँ को दो बार हराया–1539 में चौसा में और 1540 में कन्नौज में। इन पराजयों ने उसे ईरान की ओर भागने को बाध्य किया।

(2) ईरान में हुमायूँ ने सफ़ाविद शाह की मदद ली। उसने 1555 में दिल्ली पर पुनः कब्ज़ा कर लिया परंतु उससे अगले वर्ष इस इमारत में एक दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो गयी।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

अकबर 1556-1605

13 वर्ष की अल्पायु में अकबर सम्राट बना।
उसके शासनकाल को तीन अवधियों में विभाजित किया जा सकता है।
(1) 1556 और 1570 के मध्य अकबर अपने संरक्षक बैरम ख़ान और अपने घरेलू कर्मचारियों से स्वतंत्र हो गया। उसने सूरी और अन्य अफ़गानों, निकटवर्ती राज्यों मालवा और गोंडवाना तथा अपने सौतेले भाई मिर्ज़ा हाक़िम और उज़बेगों के विद्रोहों को दबाने के लिए सैन्य अभियान चलाए। 1568 में सिसौदियों की राजधानी चित्तौड़ और 1569 में रणथम्भौर पर कब्ज़ा कर लिया गया।
(2) 1570 और 1585 के मध्य गुजरात के विरुद्ध सैनिक अभियान हुए। इन अभियानों के पश्चात् उसने पूर्व में बिहार, बंगाल और उड़ीसा में अभियान चलाए, जिन्हें 1579-80 में मिर्ज़ा हाक़िम के पक्ष में हुए विद्रोह ने और जटिल कर दिया।
(3) 1585-1605 के मध्य अकबर के साम्राज्य का विस्तार हुआ। उत्तर-पश्चिम में अभियान चलाए गए। सफ़ाविदों को हराकर कांधार पर कब्ज़ा किया गया और कश्मीर को भी जोड़ लिया गया। मिर्ज़ा हाकिम की मृत्यु के पश्चात् काबुल को भी उसने अपने राज्य में मिला लिया। दक्कन में अभियानों की शुरुआत हुई और बरार, खानदेश और अहमदनगर के कुछ हिस्सों को भी उसने अपने राज्य में मिला लिया। अपने शासन के अंतिम वर्षों में अकबर की सत्ता राजकुमार सलीम के विद्रोहों के कारण लड़खड़ायी। यही सलीम आगे चलकर सम्राट जहाँगीर कहलाया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

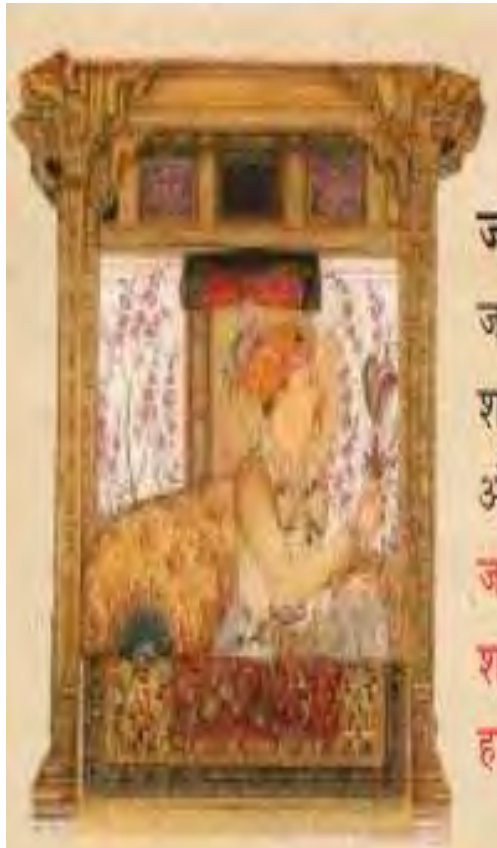

जहाँगीर 1605-1627

जहाँगीर ने अकबर के सैन्य अभियानों को आगे बढ़ाया। मेवाड़ के सिसोदिया शासक अमर सिंह ने मुग़लों की सेवा स्वीकार की। इसके बाद सिक्खों, अहोमों और अहमदनगर के खिलाफ़ अभियान चलाए गए, जो पूर्णत: सफल नहीं हुए। जहाँगीर के शासन के अंतिम वर्षों में राजकुमार खुर्रम, जो बाद में सम्राट शाहजहाँ कहलाया, ने विद्रोह किया। जहाँगीर की पत्नी नूरजहाँ ने शाहजहाँ को हाशिए पर धकेलने के प्रयास किए, जो असफल रहे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

शाहजहाँ 1627-1658

दक्कन में शाहजहाँ के अभियान जारी रहे। अफ़गान अभिजात खान जहान लोदी ने विद्रोह किया और वह पराजित हुआ। अहमदनगर के विरुद्ध अभियान हुआ जिसमें बुंदेलों की हार हुई और ओरछा पर कब्ज़ा कर लिया गया। उत्तर-पश्चिम में बल्ख पर कब्ज़ा करने के लिए उज़बेगों के विरुद्ध अभियान हुआ जो असफल रहा। परिणामस्वरूप कांधार सफ़ाविदों के हाथ में चला गया। 1632 में अंतत: अहमदनगर को मुग़लों के राज्य में मिला लिया गया और बीजापुर की सेनाओं ने सुलह के लिए निवेदन किया। 1657-58 में शाहजहाँ के पुत्रों के बीच उत्तराधिकार को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। इसमें औरंगज़ेब की विजय हुई और दारा शिकोह समेत उसके तीनों भाइयों को मौत के घाट उतार दिया गया। शाहजहाँ को उसकी शेष ज़िंदगी के लिए आगरा में क़ैद कर दिया गया।

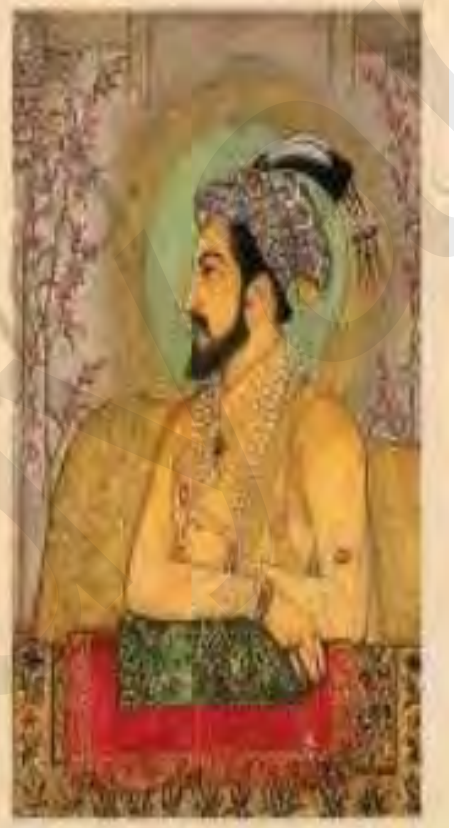

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

औरंगज़ेब 1658-1707

(1) 1663 में उत्तर-पूर्व में अहोमों की पराजय हुई परंतु उन्होंने 1680 में पुनः विद्रोह कर दिया। उत्तर-पश्चिम में यूसफज़ई और सिक्खों के विरुद्ध अभियानों को अस्थायी सफलता मिली। मारवाड़ के राठौड़ राजपूतों ने मुग़लों के खिलाफ़ विद्रोह किया। इसका कारण था उनकी आंतरिक राजनीति और उत्तराधिकार के मसलों में मुग़लों का हस्तक्षेप। मराठा सरदार, शिवाजी के विरुद्ध मुग़ल अभियान प्रारंभ में सफल रहे। परंतु औरंगज़ेब ने शिवाजी का अपमान किया और शिवाजी आगरा स्थित मुग़ल कैदखाने से भाग निकले। उन्होंने अपने को स्वतंत्र शासक घोषित करने के पश्चात् मुग़लों के विरुद्ध पुनः अभियान चलाए। राजकुमार अकबर ने औरंगज़ेब के विरुद्ध विद्रोह किया, जिसमें उसे मराठों और दक्कन की सल्तनत का सहयोग मिला। अन्ततः वह सफ़ाविद ईरान भाग गया।

(2) अकबर के विद्रोह के पश्चात् औरंगज़ेब ने दक्कन के शासकों के विरुद्ध सेनाएँ भेजी। 1685 में बीजापुर और 1687 में गोलकुंडा को मुग़लों ने अपने राज्य में मिला लिया। 1698 में औरंगज़ेब ने दक्कन में मराठों, जो छापामार पद्धति का उपयोग कर रहे थे, के विरुद्ध अभियान का प्रबंध स्वयं किया। औरंगज़ेब को उत्तर भारत में सिक्खों, जाटों और सतनामियों, उत्तर-पूर्व में अहोमों और दक्कन में मराठों के विद्रोहों का सामना करना पड़ा। उसकी मृत्यु के पश्चात् उत्तराधिकार के लिए युद्ध शुरू हो गया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मुगलों के अन्य शासकों के साथ संबंध

- सबसे पहले मुगलों ने कई शासकों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जिन्होंने सत्ता को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। लेकिन बाद में स्वेच्छा से शामिल हो गए।
- कई राजपूतों ने अपनी बेटियों की शादी मुगल परिवारों में कर दी (संबंध बनाने के लिए, उच्च पद पाने के लिए, कुछ ने मना भी कर दिया)।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

मुगलों के साथ विवाह संबंध

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- मेवाड़ के सिसोदिया राज पुट ने लंबे समय तक मुगल सत्ता को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। एक बार पराजित होने के बाद मुगलों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया। (अपनी भूमि (वतन) मुगलों को दे दी।
- इस उदाहरण से हम देख सकते हैं कि मुगल अपने शत्रुओं को परास्त करते थे लेकिन उन्हें कभी अपमानित नहीं करते थे। इस व्यवहार ने कई राजाओं और सरदारों पर अपना प्रभाव बढ़ाया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

अकबर के नव रतन

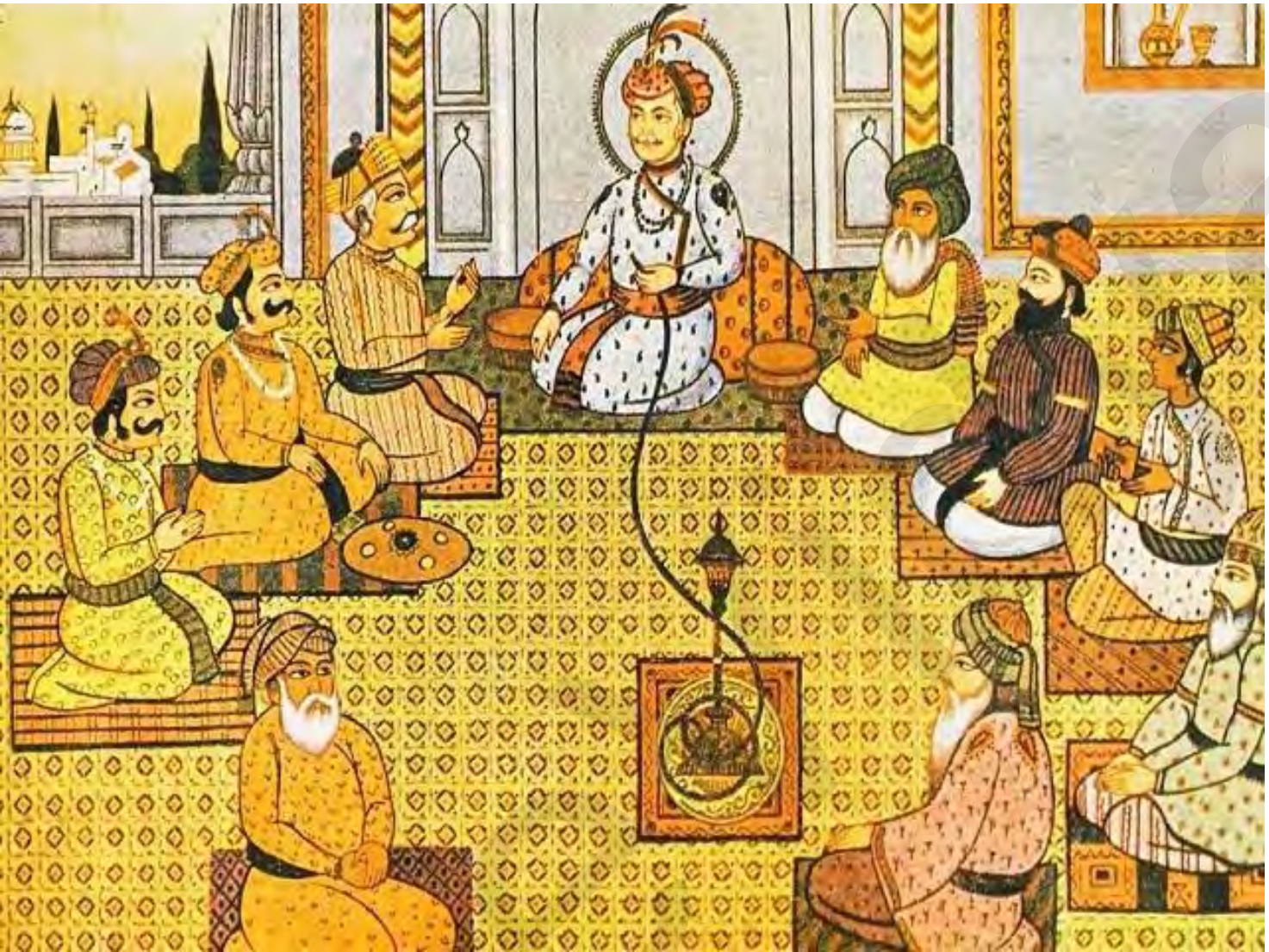

- राजा बीरबली
- मियां तानसेन
- अबुल फ़ज़ली
- फैजी
- राजा मान सिंह
- राजा टोडर माली
- मुल्ला दो पियाजा
- फ़कीर अज़ियाओ-दी

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

लेकिन औरंगजेब के पहले की तरह हर समय संतुलन बनाए रखना मुश्किल था (मुगल सत्ता को स्वीकार करने के लिए आने पर उन्होंने शिवाजी का अपमान किया)।

छत्रपति शिवाजी

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मनसबदार और जागीरदार

- जैसे-जैसे साम्राज्य प्रभावित हुआ, मुगलों ने विविध धर्मों वाले कई विविध लोगों की भर्ती की।
- तुर्की के रईसों ने अफगान, राज पुट, मराठा आदि को शामिल करने के लिए उनका विस्तार किया।
- मुगल सेवा में शामिल होने वालों को मनसबदार कहा जाता था, मनसब का अर्थ है पद या पद)।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

विविध विषयों की बैठकों के लिए मुगल दरबा

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इसे ठीक करने के लिए मुगलों द्वारा ग्रेडिंग सिस्टम के रूप में इस्तेमाल किया गया था|
  - वेतन
  - पद
  - सैन्य जिम्मेदारी।
- जाट (रैंक और वेतन) जितना अधिक होगा, अदालत में पद उतना ही ऊंचा होगा।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

रैंक के अनुसार वेतन

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- मनसबदारों की सैन्य जिम्मेदारी घुड़सवारों (सवार) को उनका पंजीकरण, घोड़े की ब्रांडिंग, वेतन का भुगतान करना था।

- मनसबदारों को उनका वेतन जागीर नामक राजस्व कार्य के रूप में प्राप्त होता था। वे स्वयं देश के अन्य भागों में सेवा करते थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

किसानों की बस्तियों वाली भूमि

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

जागीरों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाता था ताकि उनका राजस्व लगभग मनसबदार के वेतन के बराबर हो, जो वास्तविक राजस्व एकत्र किया जाता था वह अक्सर दी गई राशि से कम होता था। मनसबदारों की संख्या में भी भारी वृद्धि हुई, जिसका मतलब था कि उन्हें जागीर मिलने से पहले एक लंबा इंतजार करना पड़ा।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- इससे जागीरों की कमी पैदा हो जाती है, मनसबदार अपनी जागीरों से राजस्व निकालने के लिए पूरी कोशिश करते थे।
- औरंगजेब पिछले वर्षों की लगाम पर नियंत्रण करने में असमर्थ था और इसलिए किसानों को बुरी तरह से नुकसान उठाना पड़ा ।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

ज़ब्त और जमींदार

- ज़ब्त और जमींदारमुगल शासकों के लिए उपलब्ध मुख्य स्रोत किसानों से कर थे जिन्हें शासक अभिजात वर्ग द्वारा एकत्र किया जाता था, व्यक्तियों को जमींदार के रूप में परिभाषित किया जाता था।
- अकबर के राजस्व मंत्री टोडरमल ने 10 साल पहले फसल के खेतों, कीमतों, खेती वाले क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया था।
- प्रत्येक फसल पर नकद में कर निर्धारित किया जाता था। राजस्व प्रणाली को ज़बट के रूप में जाना जाता था।

कर संग्राहक

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

10 साल की खेती वाले खेत पर किया गया सर्वे

टोडर माल

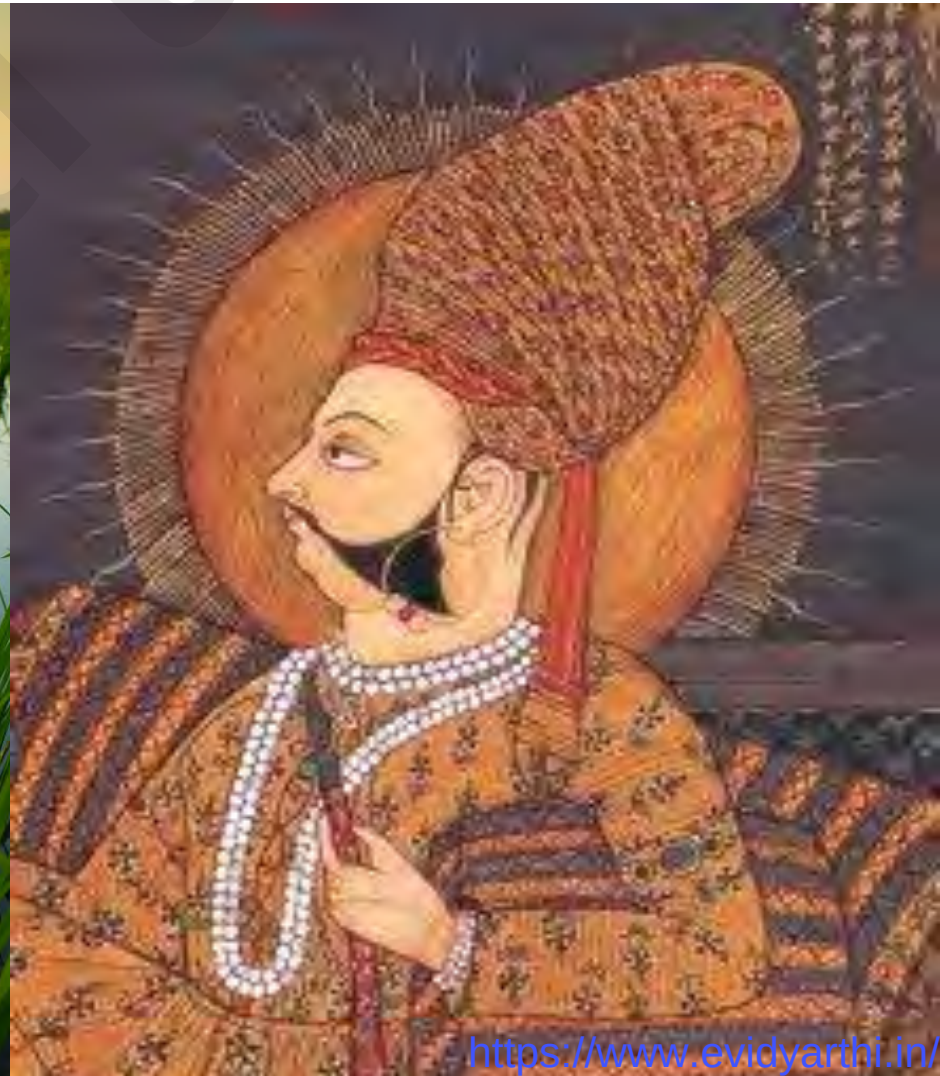

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

अकबर नामा और आइने-अकबरी

अकबर ने अपने करीबी मित्र और दरबारी अबुल फ़ज़्ल को आदेश दिया कि वह उसके शासनकाल का इतिहास लिखे। अबुल फ़ज़्ल ने यह इतिहास तीन जिल्दों में लिखा और इसका शीर्षक है *अकबरनामा*। पहली जिल्द में अकबर के पूर्वजों का बयान है और दूसरी अकबर के शासनकाल की घटनाओं का विवरण देती है। तीसरी जिल्द *आइने-अकबरी* है। इसमें अकबर के प्रशासन, घराने, सेना, राजस्व और साम्राज्य के भूगोल का ब्यौरा मिलता है। इसमें समकालीन भारत के लोगों की परंपराओं और संस्कृतियों का भी विस्तृत वर्णन है। *आइने-अकबरी* का सब से रोचक आयाम है, विविध प्रकार की चीज़ों–फ़सलों, पैदावार, कीमतों, मज़दूरी और राजस्व–का सांख्यिकीय विवरण।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- कुछ क्षेत्रों में ज़मींदारों के पास मुगल प्रशासकों द्वारा बड़ी शक्ति और शोषण होता था जो उन्हें विद्रोह के लिए प्रेरित कर सकता था।
- 17वीं शताब्दी के अंत में मुगल साम्राज्य की स्थिरता को चुनौती दी गई थी क्योंकि कई जमींदार और किसान मुगल सत्ता के खिलाफ एकजुट हुए थे।

मुगल शासक के खिलाफ जमींदारों का गठबंधन

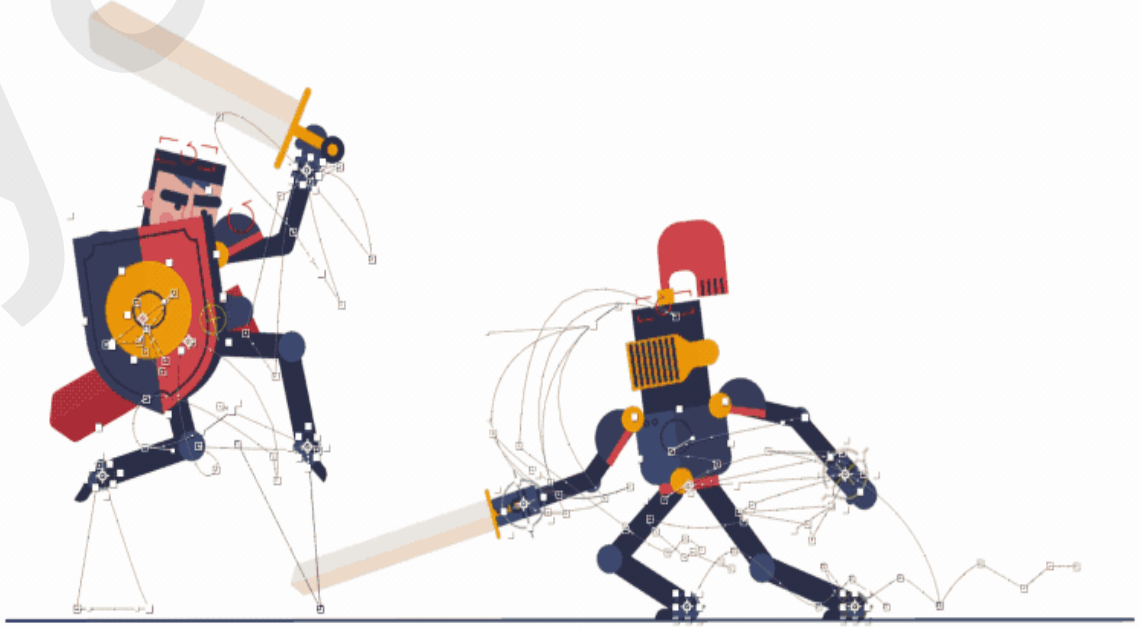

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

अकबर की नीतियां - नजदीक से एक नज़र

- अकबर के प्रशासन का विवरण अबुल फजल अकबरनामा और अंतिम खंड ऐन-ए-अकबरी की पुस्तक में विस्तृत है।

- उन्होंने समझाया कि साम्राज्य सूबे नामक प्रांत में था, जो सूबेदार (राजनीतिक, सैन्य कार्य के साथ काम) द्वारा शासित था।

अबुल फजली

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

अकबर के जीवन के बारे में 3 खंडों के साथ लिखा गया

प्रशासन के बारे में फ़ारसी में लिखा गया

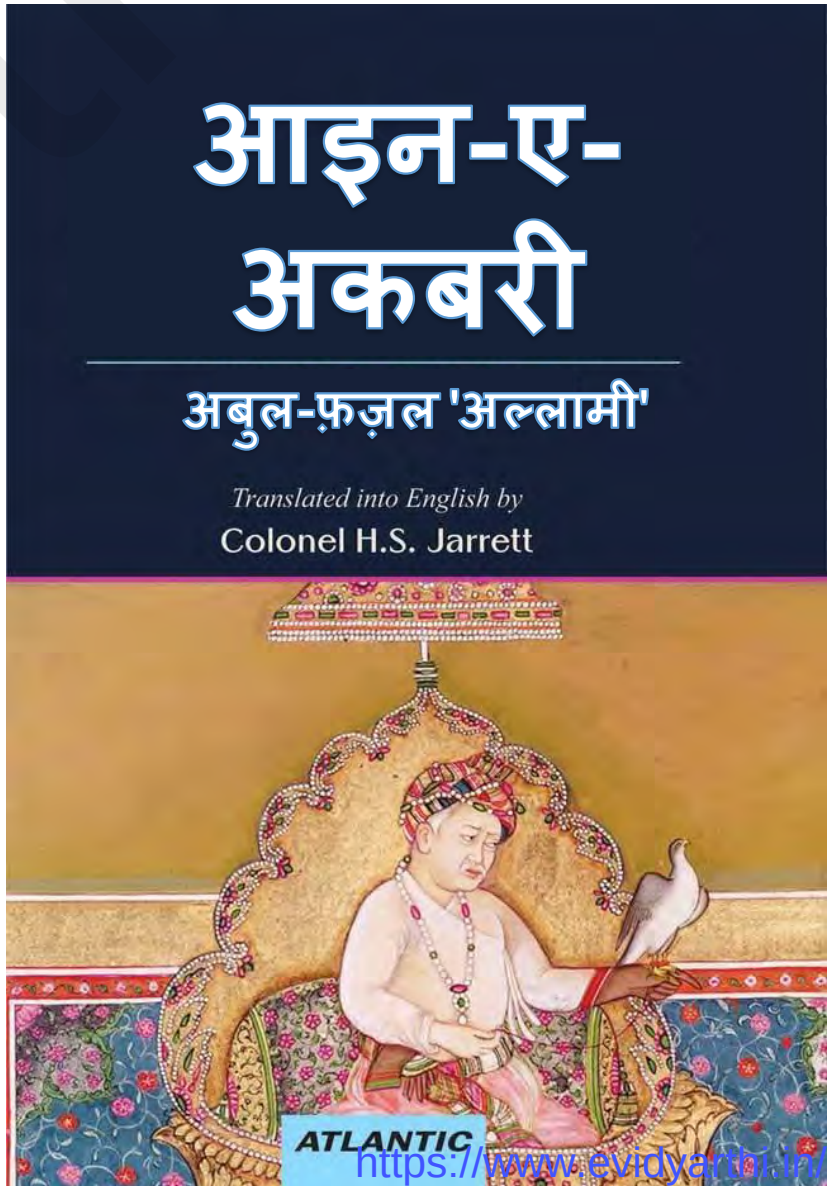

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

जहाँगीर के दरबार पर नूरजहाँ का प्रभाव

चित्र 8
नूरजहाँ का फ़रमान

मेहरुन्निसा ने 1611 में जहाँगीर से विवाह किया और उसे नूरजहाँ का खिताब मिला। नूरजहाँ हमेशा जहाँगीर के प्रति अत्यधिक वफ़ादार रही और उसको समय-समय पर सहयोग देती रही। नूरजहाँ के सम्मान में जहाँगीर ने चाँदी के सिक्के जारी किए, जिनमें एक ओर उसके स्वयं के खिताब उत्कीर्ण थे और दूसरी ओर यह वाक्य: 'रानी बेगम नूरजहाँ के नाम से गढ़ा हुआ।'

बाईं ओर दिया गया दस्तावेज़, नूरजहाँ द्वारा जारी किया गया आदेश (फ़रमान) है। चौकोर मोहर बताती है–'उदात्त और महान महारानी नूरजहाँ पादशाह बेगम का आदेश'। गोल मोहर के अनुसार, 'शाह जहाँगीर के प्रताप से महारानी, चन्द्रमा जैसी वैभवशाली बन गई : हम कामना करते हैं कि नूरजहाँ पादशाह इस युग की सर्वोत्तम महिला बने'

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

सुलह-ए-कुल

अकबर की सुलह-ए-कुल की नीति का उनके पुत्र जहाँगीर ने इस प्रकार वर्णन किया है:

ईश्वरीय अनुकंपा के विस्तृत आँचल में सभी वर्गों और सभी धर्मों के अनुयायियों की एक जगह है। इसलिए... उसके विशाल साम्राज्य में, जिसकी चारों ओर की सीमाएँ केवल समुद्र से ही निर्धारित होती थी विरोधी धर्मों के अनुयायियों और तरह-तरह के अच्छे-बुरे विचारों के लिए जगह थी। यहाँ असहिष्णुता का मार्ग बंद था। यहाँ सुन्नी और शिया एक ही मसज़िद में इकट्ठे होते थे और ईसाई और यहूदी एक ही गिरजे में प्रार्थना करते थे। उसने सुसंगत तरीके से 'सार्विक शांति' (सुलह-ए-कुल) के सिद्धांत का पालन किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रत्येक प्रांत में एक वित्तीय अधिकारी या दीवान होता है, सूबेदारों को अन्य अधिकारियों द्वारा समर्थित किया जाता था जैसे-
- वेतन मास्टर (बक्शी)
- धर्मार्थ संरक्षण और धर्म मंत्री (सदर)
- नगर पुलिस कमांडर (कोतवाल)
- सैन्य कमांडर (फौजदार)

लोगों को शांति और कानून बनाए रखने के लिए नियुक्त किया गया था

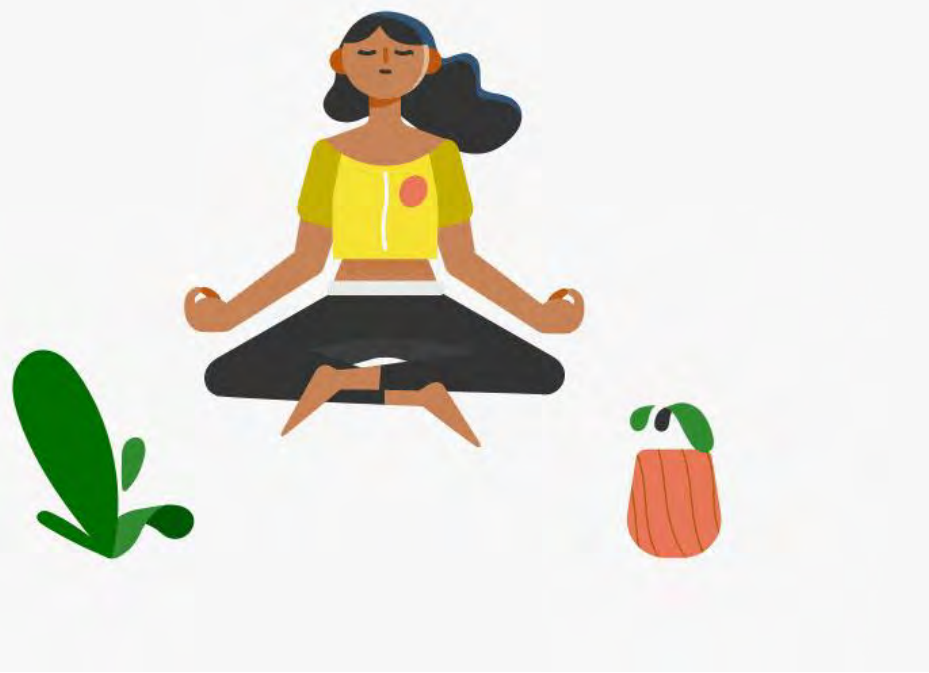

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- अकबर के रईसों ने बड़ी सेनाओं की कमान संभाली और बड़ी मात्रा में राजस्व प्राप्त किया। वे साम्राज्यों के प्रति वफादार थे लेकिन बाद में 17वीं शताब्दी में। कई लोगों ने अपने स्वतंत्र नेटवर्क का निर्माण किया जिससे साम्राज्य का स्वार्थ कमजोर हो गया।

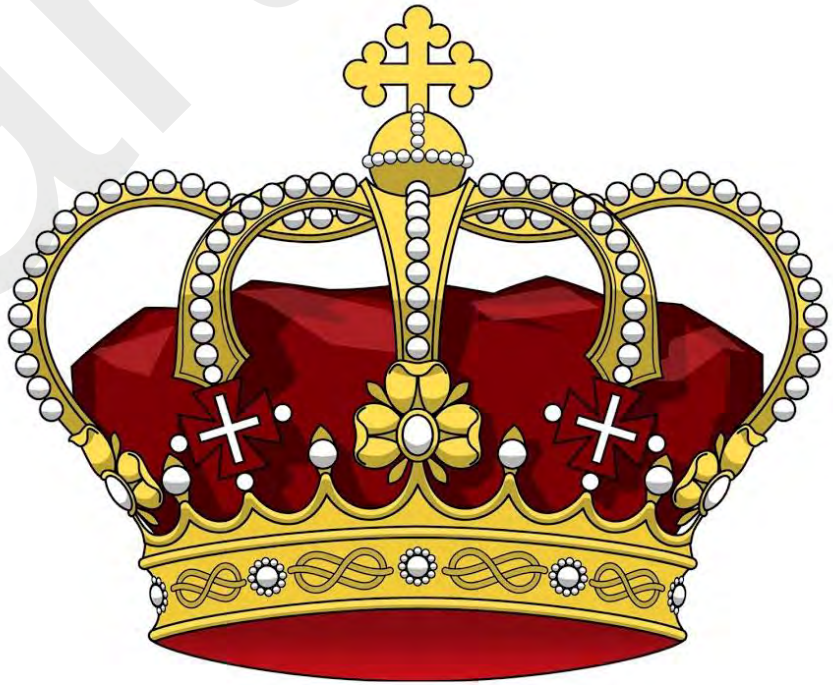

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- अकबर 1570 के दशक के दौरान फतेहपुर सीकरी में थे, उन्होंने उलेमाओं, ब्राह्मणों, रोमन कैथोलिकों के पुजारियों और पारसी लोगों के साथ चर्चा की।
- इबादत खाना में थीसिस की चर्चा होती थी। अकबर विभिन्न लोगों के साथ बातचीत करता था और महसूस करता था कि धार्मिक विद्वान जिन्होंने अनुष्ठान और हठधर्मिता खरीदी थी, वे अक्सर कट्टर थे। (इससे उनकी प्रजा के बीच वैमनस्य पैदा होता है)

फतेहपुर सीकरी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

इबादत खाना

विभिन्न धर्मों से चर्चा

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

पुजारी

उलेमा

विचार - विमर्श

ईसाई

ब्राह्मण

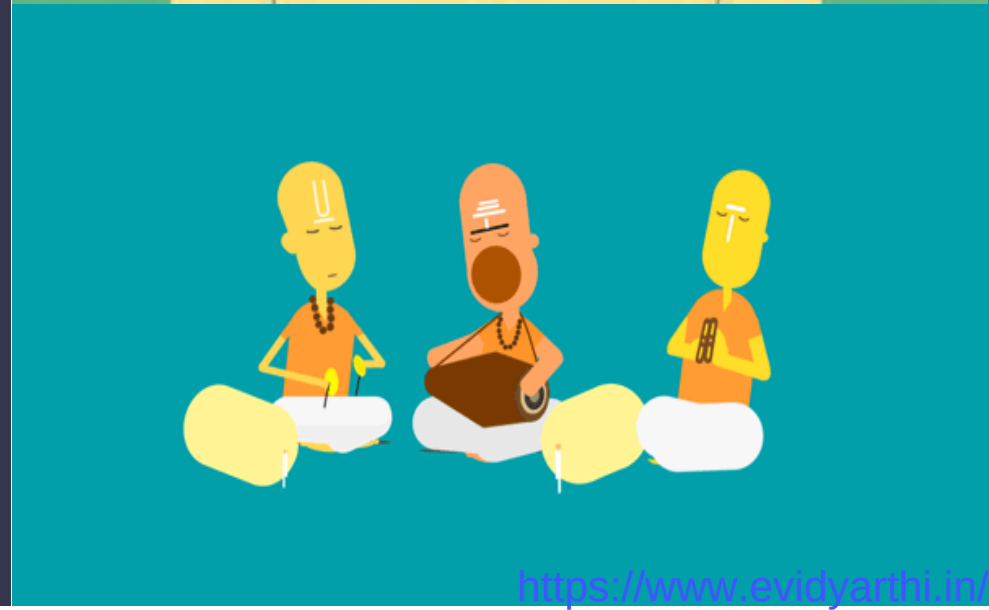

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इसने अकबर को सुलह-ए-कुल (सार्वभौमिक शांति) के विचार के लिए प्रेरित किया
- उनकी व्यवस्था में ईमानदारी, न्याय, शांति के साथ-साथ सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया गया।
- अबुल फजल ने शासन की दृष्टि तैयार करने में अकबर की मदद की और जहाँगीर और शाहजाह ने भी उसका अनुसरण किया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

✓ हठधर्मिता

एक बयान या व्याख्या को इस उम्मीद के साथ आधिकारिक घोषित किया गया कि बिना किसी सवाल के इसका पालन किया जाएगा।

✓ बिगोट

एक व्यक्ति जो दूसरे व्यक्ति की धार्मिक मान्यताओं या संस्कृति के प्रति असहिष्णु है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

न्याय और समानता के साथ शासित अकबर

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

सत्रहवीं शताब्दी और उसके बाद मुगल साम्राज्य

- मुगल साम्राज्य में प्रशासन और सैन्य दक्षता से आर्थिक और व्यावसायिक समृद्धि हुई।
- लेकिन असमानता भी स्पष्ट थी। 8,000 में से केवल 445 मनसबदार उच्च रैंक पर थे।
- केवल 5.6% मनसबदारों को साम्राज्य के कुल राजस्व का 61.5% वेतन के रूप में प्राप्त होता था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

राजा और रानियाँ

सोलहवीं सदी में, मुग़लों के लगभग समकालीन, संसार के विभिन्न भागों में भी कई महान राजा-रानियाँ थे। इनमें ऑटोमन तुर्की के सुलतान सुलेमान (1520-1566) शामिल हैं। उसके राज में ऑटोमन राज्य का विस्तार यूरोप की ओर हुआ। उसने हंगरी को अपने राज्य के साथ मिला लिया और ऑस्ट्रिया को घेर लिया। उसकी फ़ौजों ने बगदाद और इराक भी हथिया लिया। मोरक्को तक उत्तरी अफ्रीका का बहुत-सा हिस्सा ऑटोमन सत्ता को मानता था। सुलेमान ने ऑटोमन नौसेना का पुनर्गठन किया। पूर्वी भूमध्य सागर के इलाकों पर इस नौसेना के प्रभुत्व की वजह से स्पेन के साथ उसकी प्रतिस्पर्धा हुई। अरब सागर में इस नौसेना ने पुर्तगालियों को चुनौती दी। सम्राट को 'अल-कानूनी' (विधिनिर्माता) का खिताब दिया गया क्योंकि उसके शासनकाल में बड़ी संख्या में नियम-कानून बनाए गए थे। इन नियमों का लक्ष्य यह था कि बढ़ते हुए साम्राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक तरीकों का मानकीकरण हो ताकि किसानों को बेगार और भारी करों से बचाया जा सके। आगे चलकर सत्रहवीं शताब्दी में ऑटोमन क्षेत्रों में जब सार्वजनिक व्यवस्था का पतन हुआ, तो सुलेमान कानूनी के काल को आदर्श शासनकाल के रूप में याद किया जाने लगा।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- मुगल व्यय से कारीगरों और किसानों को लाभ हुआ जिन्होंने उन्हें माल और सेवा प्रदान की।

- लेकिन उन्हें उत्पादकता यानी टूल्स और सप्लाई बढ़ाने के लिए कोई निवेश नहीं मिल रहा था। लाभ अमीरों, किसानों और व्यापारियों, बैंकरों द्वारा लिया गया था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

छोटे किसानों को कोई निवेश नहीं दिया गया

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- मुगल अभिजात वर्ग को अपार संपत्ति और संसाधन मिले। 17वीं शताब्दी के अंत में वे अत्यंत शक्तिशाली हो गए।
- मुगल साम्राज्य के पतन के बाद। वे शक्तिशाली केंद्रों के साथ उभरे। उन्होंने नए राजवंशों का निर्माण किया, हैदराबाद और अवध प्रांत में कमान संभाली।

कुलीन- शक्तिशाली, धनी लोग

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 4 मुग़ल साम्राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

मुगल साम्राज्य के अधीन कई प्रांत स्वतंत्र हुए और उन्हें अपनी पहचान मिली।

अवधी

हैदराबाद

https://www.evidyarthi.in/